तरबूज ने किसानों को बनाया आर्थिक रूप से सबल

कामडारा | प्रतिनिधि

कामडारा ब्लॉक के अरहरा गांव में शुरू हुई तरबूज की खेती ने किसानों को गरीबी से लड़ने की एक नई उम्मीद दी है।अरहरा में तैयार तरबूज को जमशेदपुर के वेंडर ने तरबूज 6.75 रुपये प्रति किलोग्राम पर लिया।सात एकड़ में की गई तरबूज की खेती में पहली फ्रूटिंग में नौ मीट्रिक टन का उत्पादन किया गया है।

तरबूज का संग्रह भौतिक दूरी के प्रोटोकॉल का पालन करके किया गया ।और ग्रामीणों को उत्पादों को बेचने के लिए उत्साहित किया गया। दिसंबर से ही किसानों ने काफी परिश्रम कर अपने तरबूज के खेत को तैयार करना शुरू कर

तरबूज लोड करते किसान।

दिया था। अरहरा में तरबूज की खेती को बढावा देने के लिए बीएएमएल फंडिंग से सोलर लिफ्ट लगाई गई है। इनपुट और आउटपुट लिंकेज के लिए पालकोट एग्रो हॉर्टि कॉपरटिव को छह कमीशन देने के लिए ग्रामीण तैयार हो गए हैं।कामडारा का तरबूज अब जमशेदपुर के बाजार में बिकने लगा है।तरबूज की खेती में कई किसान उन्नत तरीके से खेती कर आर्थिक रूप से मजबूत बन रहे हैं। तरबूज की खेती में प्रदान ने तकनीकी सहयोग प्रदान किया है। शुक्रवार को तरबूज की पहली फसल ट्रक के माध्यम से जमशेदपुर ले जाया गया।

लॉकडाउन में तरबूज बेचने को लेकर किसानों की चिंता सताने लगी थी।हांलाकि लॉकडाउन नहीं रहने से शायद किसानों के मुनाफा में और बढ़ोत्तरी की संभावना थी। प्रदान के कामडारा प्रखंड समन्वयक अंकित टंडन ने बताया कि संस्था के माध्यम से जुड़ कर किसानों को लाभ मिल रहा है।और पहली बार तरबूज की खेती सफल होने से प्रत्येक साल किसान और ज्यादा तरबूज की पैदावार करेंगे,जिससे किसानों का जीवन खुशहाल बनेगा।